दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू

सत्र : 2020–21

आधारशिला– अभ्यास–पत्र

कक्षा : दसवीं विषयः हिंदी

व्याकरण : अपठित गद्यांश, शब्द–पद, समास, अशुद्धि–शोधन, मुहावरों का अर्थ व वाक्य प्रयोग, अनुच्छेद लेखन, विज्ञापन लेखन, संवाद लेखन, पत्र–लेखन

प्रश्न–1) नीचे दिए गए अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

विद्वान लोग नम्रता को स्वतंत्रता की जननी मानते है। आत्म–संस्कार हेतु स्वतंत्रता आवश्यक है। मर्यादापूर्वक जीवन व्यतीत करने के लिए आत्म–निर्भरता आवश्यक है। आत्म–मर्यादा हेतु आवश्यक है कि हम बड़ों से सम्मानपूर्वक तथा छोटो और बराबर वालों के साथ कोमलता का व्यवहार करें। युवाओं को याद रखना चाहिए कि उनका ज्ञान कम है। वे अपने लक्ष्य से पीछे हैं तथा उनकी आकांक्षाएँ उनकी योग्यता से अधिक हैं। सभी लोग युवाओं से कुशल आचरण और विनम्रता की उम्मीद करते हैं।

नम्रता का अर्थ दूसरों का मुँह ताकना नहीं है। इससे तो प्रज्ञा मंद पड़ जाती है। संकल्प क्षीण होता है, विकास रूक जाता है तथा निर्णय क्षमता नहीं आती। मनुष्य को अपना भाग्य विधाता स्वंय होना चाहिए। हमेशा याद रखो, अपने फैसले तुम्हें स्वयं ही करने होंगे। विश्वासपात्र मित्र भी तुम्हारी ज़िम्मेंदारी नहीं ले सकता। हमें अनुभवी लोगों के अनुभवों से लाभ उठाना चाहिए, लेकिन हमारे निर्णयों तथा हमारे विचारों से ही हमारी रक्षा व पतन होगा। हमें नज़रें तो नीचे रखनी हैं, लेकिन सामने का रास्ता भी देखना है। हमारा व्यवहार कोमल तथा लक्ष्य उच्च होना चाहिए। हमारी प्रवृत्ति ऐसी होनी चाहिए कि संक्रमणकाल में भी हम स्वयं को साधारण रख पाएँ। वही मनुष्य कर्मक्षेत्र में श्रेष्ठ और उत्तम रहते हैं, जिनमें बुद्धि, चतुराई तथा दृढ़ निश्चय होता है।

क) प्रस्तुत गद्यांश में मूलतः स्वतंत्रता की जननी किसे माना गया है तथा मनुष्य को परतंत्रता क्यों स्वीकार्य नहीं है?

ख) मानव को अपने आचरण और व्यवहार में कैसा होना चाहिए?

ग) किस वृत्ति के बल पर लोग कष्ट सहने को तैयार रहते है?

घ) मनुष्य को अपना भाग्य–विधाता स्वयं क्यों होना चाहिए?

ङ) विश्वासपात्र व्यक्ति भी हमारी जिम्मेदारी क्यों नहीं ले सकता?

च) प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

शब्द और पद की परिभाषा :–

शब्द – विभिन्न ध्वनियों का ऐसा स्वतंत्र एवं सार्थक समूह जो एक निश्चित अर्थ का बोध कराता है, शब्द कहलाता हैः जैसे–कलम, पुस्तक, गगन आदि।

शब्द के भेद

स्रोत/इतिहास के आधार परः–	रचना के आधार परः–	प्रयोग के आधार परः–	अर्थ के आधार परः–	व्याकरणिक प्रकार्य के आधार परः–
तत्सम शब्द	रुढ़ या मूल शब्द	सामान्य शब्द	पर्यायवाची शब्द	विकारी शब्द
तद्भव शब्द	यौगिक शब्द	पारिभाषिक/तकनीकी शब्द	विलोम शब्द	अविकारी शब्द
देशज शब्द	योगरुढ़ शब्द		एकार्थी शब्द	
विदेशज शब्द			अनेकार्थी शब्द	

पद की परिभाषा– किसी वाक्य में प्रयुक्त हाने पर शब्द कोई–न–कोई व्याकरणिक प्रकार्य अवश्य करता है। शब्द के व्याकरणिक प्रकार्य की इसी अवस्था को पद कहते है।

प्रश्न–2 शब्द किसे कहते है? उदाहरणसहित स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–3 रचना के आधार पर शब्द के कितने भेद है?

प्रश्न–4) शब्द और पद में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

समास की परिभाषा :–

दो या दो से अधिक शब्दों अथवा वाक्यांशों को संक्षिप्त करके उनसे एक नया शब्द बनाने की प्रक्रिया को समास कहते है।

समास–विग्रह :–

परस्पर मिली किन्हीं दो वस्तुओं को अलग करने की प्रक्रिया विग्रह कहलाती है। व्याकरण में समास करने के पश्चात् समस्तपद के रुप में जुड़े पदों को अलग करके उन्हें समास से पूर्व की स्थिति में रख देने को समास–विग्रह कहते है। जैसेः– देशवासी – देश का वासी

समास के भेद

अव्ययीभाव समास	तत्पुरूष समास	कर्मधारय समास	द्विगु समास	द्वंद्व समास	बहुव्रीहि समास

समस्तपद	समास–विग्रह	समास का नाम
आजन्म	जन्म से लेकर	अव्ययीभाव समास
यथाविधि	विधि के अनुसार	अवययीभाव समास
यशप्राप्त	यश को प्राप्त	तत्पुरुष समास
सत्याग्रह	सत्य के लिए ग्रह	तत्पुरुष समास
नीलकंठ	नीला है जो कंठ	कर्मधारय समास
चौराहा	चर राहों का समाहार	द्विगु समास
सुख–दुख	सुख और दुख	द्वंद्व समास

प्रश्न–5) निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए–

भारतरत्न, हथकड़ी, हस्तलिखित,विषधर,देश–विदेश, पंचतंत्र

प्रश्न–6) निम्नलिखित विग्रहयुक्त पदो ंके लिए समस्तपद लिखकर समास का नाम लिखिए–

क) घन के समान श्याम

ख) रोग से ग्रस्त

ग) जितना संभव हो

घ) तीन फलों का समहार

ड.) भला है जो मानस

प्रश्न–7) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिएः–

क) क्या आप खाना खाए हैं?

ख) तुम्हारा भाई मेहनत से पढ़ते है।

ग) एक फूलों की माला लेते आइए।

घ) कृपया मेरी बात सुनने की कृपा करें।

ड.) क्या आप उसकी बात समझ लेते हो?

प्रश्न–8) नीच दिए मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

आड़े हाथों लेना , रंग दिखाना, ज़मीन पर पाँव ना रखना

प्रश्न–9) निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो :–

क) विशेषज्ञ विद्वान को समझाना ऐसा ही है जैसे .....।

ख) गणित का गृहकार्य करना मुझे..... प्रतीत होता है।

ग) मनुष्य को विपरीत परिस्थितियों में हमेशा..... चाहिए।

घ) वजीर अली बरसों से हमारी ..... झोंक रहा है।

प्रश्न–10) निम्नलिखित संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए :–

आशा ही जीवन है, निराशा ही मृत्यु

संकेत बिंदु :–

1. आशा क्या है?
2. निराशा से हानि
3. आशा की शक्ति

प्रश्न–11) विद्यालय में कंप्यूटर–शिक्षा की व्यवस्था करने के लिए प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना–पत्र लिखिए।

प्रश्न–12) अपने विद्यालय में प्रधानाचार्या को विद्यालय से आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिए प्रार्थना–पत्र लिखिए।

प्रश्न–13) सीमा पर तैनात दो सैनिकों के मध्य संवाद लिखिए।

प्रश्न–14) नया मोबाइल फ़ोन खरीदने के बारे में माँ और पुत्री के बीच हुई बातचीत को संवाद के रुप मे लिखिए।

प्रश्न–15) पुस्तक विक्रेता के लिए आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।